मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 42, मुंबई, शुक्रवार, 30 मई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

सीबीआई का पासपोर्ट ऑफिस पर तड़के छापा

5 लाख की रिश्वत लेते दलाल समेत अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। एसीबी ने राज्य में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाकर रिश्वत लेने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। अभी 2 दिन पहले ही छत्रपति संभाजीनगर में रेजिडेंट डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ कार्रवाई की गई थी और उन्हें 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। वहीं रत्नागिरी जिले में राजस्व विभाग के 3 लोगों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है और मामला दर्ज किया गया है। एसीबी ने जहां राज्य में भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसी है, वहीं सीबीआई ने भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर नकेल कसी है। सीबीआई ने रिश्वतखोरों को करारा झटका देते हुए मुंबई के लोअर परेल स्थित पासपोर्ट कार्यालय के एक अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

उप जिला मजिस्ट्रेट आरेस्ट

पुलिस विभाग में आम आदमी से लगातार पैसे मांगे जा रहे हैं, हर काम के लिए पैसे देने पड़ते हैं, यह रोना रोया जा रहा है। गौरतलब है कि कल छत्रपति संभाजीनगर में एक निवासी उप जिला मजिस्ट्रेट को एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इस सज्जन ने 41 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 23 लाख रुपये उनके पास पहुंच चुके थे। आखिरकार उप जिला मजिस्ट्रेट को 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

सीएम फडणवीस ने शिंदे-अजित से मांगी माफी

शरद पवार के हुए मुरीद, महाराष्ट्र की सियासत हुई गर्म

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ऐसा कहा जाता है कि राजनीति में कोई भी स्थायी दुश्मन या दोस्त नहीं होता है। महाराष्ट्र की जनता 2019 से लगातार इसका अनुभव कर रही है। कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी संभव है क्योंकि कभी एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे राजनीतिक दल एक साथ आकर गठबंधन बनाते हैं। वर्तमान में राज्य की राजनीति में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी जा रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों में से एक राष्ट्रवादी पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार की जमकर प्रशंसा करते हुए बताया कि उन्हें शरद पवार की कई बातें पसंद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शरद पवार जीत या हार की परवाह किए बिना लगातार काम करते रहते हैं, जो उनके व्यक्तित्व की विशेष विशेषता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

भू-माफियाओं को सबक सिखाने की तैयारी

राजस्व मंत्री बोले, फर्जी नक्शा मामले में करो सख्त कार्रवाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मुंबई में फर्जी नक्शों के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के अनुरूप दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भू-माफियाओं को हमेशा के लिए सबक सिखाने का निर्देश देते हुए प्रशासन को स्पष्ट रूप से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करते समय आम नागरिकों को असुविधा न हो।मुंबई में पर्यावरण की दृष्टिकोण से संवेदनशील क्षेत्रों के फर्जी नक्शों का मुद्दा विधायक प्रवीण दरेकर ने उठाया था। इस पर राजस्व मंत्री बावनकुले के कार्यालय में बैठक हुई। इसमें प्रवीण दरेकर, राजस्व संयुक्त सचिव संजय बनकर, पुलिस उपायुक्त श्याम घुगे और विधि एवं न्याय विभाग की उप सचिव मनीषा कदम उपस्थित रहे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

प्री-मानसून से राज्य में 37,000 हेक्टेयर फसलें बर्बाद

प्याज और बाजरा की फसलों को भारी नुकसान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राज्य में पिछले 23 दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बारहमासी बाग-बगीचों, सब्जियों के साथ-साथ कटने वाली प्याज और बाजरा की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, 4 मई से 27 मई के बीच राज्य में कुल 37,806 हेक्टेयर भूमि पर लगी फसलें बर्बाद हो गईं। कृषि विभाग के अनुसार, अमरावती जिले में इस बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 12,500 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बर्बाद हो गई है। इस नुकसान का पंचनामा करने के आदेश दे दिए गए हैं। राज्य में प्री-मानसून बारिश 4 मई से शुरू हुई थी। इस बारिश के कारण अकेले अमरावती जिले में 12,565 हेक्टेयर फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

जिलावार क्षति हेक्टेयर में

पालघर 796, रायगढ़ 42, ठाणे 1, रत्नागिरी 1, नासिक 3453, धुले 645, नंदुरबार 105, अहिल्यानगर 1215, पुणे 676, सोलापुर 1666, सतारा 73, जलगांव 4538, धाराशिव 125, जालना 1726, बीड 10, परभणी 338, नांदेड़ 7, हिंगोली 60, बुलढाणा 5737, अमरावती 12565, अकोला 909, यवतमाल 290, वाशिम 224, वर्धा 119, नागपुर 42, चंद्रपुर 1572, भंडारा 385, गोंदिया 143, गढ़चिरौली 342, कुल 37806 हेक्टेयर में फसलों को नुकसान हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

गले में फंसी हड्डी

थरूर अब गले की हड्डी बन गए हैं। इस वक्त उनके खिलाफ कार्रवाई भाजपा को कांग्रेस पर भारत विरोधी होने का इल्जाम लगाने का मौका देगी। लेकिन पार्टी कोई एक्शन नहीं लेती है, तो उसकी सियासत का केंद्रीय बिंदु जख्मी होता रहेगा।

शशि थरूर ऑपरेशन सिंदूर के बहुत पहले से कांग्रेस के लिए असहज स्थितियां पैदा कर रहे थे। कांग्रेस की पूरी राजनीति नरेंद्र मोदी की आलोचना पर केंद्रित है, जबकि थरूर पिछले कई महीनों से मोदी का गुणगान कर रहे हैं। एक मौके पर तो उन्होंने यहां तक कहा कि मोदी जैसे नेता का प्रधानमंत्री होना भारत का सौभाग्य है। संदर्भ यूक्रेन युद्ध का था। थरूर ने कहा कि उस युद्ध में खुद उन्होंने (और उनकी पार्टी ने भी) सरकार की तटस्थता की आलोचना की थी। मगर डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय सूरत में जो बदलाव आए, उससे मोदी दूरदर्शी नेता साबित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद तो थरूर ने मोदी सरकार की इतनी पुरजोर वकालत की है कि भाजपा समर्थक समूहों में उन्हें विदेश मंत्री बना देने का सुझाव दिया जाने लगा है। ये सब काफी समय तक सहने के बाद अब आखिरकार ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व का सब्र चूक रहा है। गुरुवार को पार्टी नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया, तो उनके इस बयान को पार्टी के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने थरूर के इस बयान का भी प्रतिवाद किया कि 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पहली बार भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार करने की हिम्मत दिखाई। मगर मुद्दा यह है कि अगर कोई नेता पार्टी के लिए लगातार इतनी मुश्किलें खड़ी कर रहा हो, तो कांग्रेस नेतृत्व उसे बर्दाश्त क्यों करता है? थरूर तो अब गले की हड्डी बन गए हैं। इस वक्त उनके खिलाफ कार्रवाई भाजपा को कांग्रेस पर भारत विरोधी होने का इल्जाम लगाने का मौका देगी। लेकिन पार्टी कोई एक्शन नहीं लेती है, तो उसकी सियासत का केंद्रीय बिंदु जख्मी होता रहेगा। कांग्रेस के लिए आत्म-निरीक्षण का विषय है कि उसके लिए ऐसी स्थिति क्यों पैदा होती है? क्या इसका कारण यह है कि कांग्रेस के पास मोदी विरोध के अलावा कोई वैचारिक एजेंडा और ठोस कार्यक्रम नहीं बचा है? थरूर जितने समय पार्टी में बने रहे, ऐसे सवाल और अधिक धार हासिल करते जाएंगे।

ब्रिटिश जल्लादों ने कहा था कि अगर आज इन्हें फांसी नहीं दी जाती तो ये दूसरे शिवाजी महाराज पैदा हो जाते और फिर...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। क्रांतिवीर उमा जी नाईक का जन्म के भिवंडी गांव में 7 सितंबर 1791 को हुआ।उमा जी का नाम उमा जी दादा जी खोमणे था। उमा जी का बचपन पुरंदर किले के परिसर में बीता। उमा जी को उनकी माता जी ने तलवार चलाना, घुड़सवारी, भाला चलाना, पटा आदि दांव-पेंच सिखाए। उमा जी के परिवार पर पुरुंदर किले के संरक्षण करने की जिम्मेदारी थी। इसलिए उमा जी की माता जी शिवाजी महाराज की कहानियां बताती थी। शिवाजी महाराज की कहानियां सुनकर उनके मन के अंदर क्रांतिकारी की भावना जागृत हुई। उमा जी बहुत ही होनहार लड़का था। उन्होंने परंपरागत रामोशी हेर कला को बहुत जल्दी सीख लिया। अंग्रेज सरकार ने अपनी सत्ता स्थापित करना चालू किया। धीरे धीरे अंग्रेज सरकार ने मराठों का राज्य अपने कब्जे में ले लिया। और पुणे शहर को भी अपने अधीन कर लिया। सन 1803 में अंग्रेज सरकार ने दूसरे बाजीराव को अपने नियमों से चलने को कहा। बाजीराव द्वितीय अंग्रेजों के नियमों से काम करने लगा। सबसे पहले सभी जिले की तरह पुरंदर किले के संरक्षण की जिम्मेदारी रामोशी समाज से निकालकर अंग्रेज सरकार ने अपनी पहचान के लोगों को दे दी। इस कारण रामोशी समाज पर भूखे मरने की समस्या पैदा हुई। अंग्रेज सरकार का अत्याचार बढ़ने लगा। अंग्रेज सरकार का अत्याचार उमा जी अपनी आंखों से देख रहे थे। उमा जी नाईक के आदर्श शिवाजी महाराज थे। उन्होंने विठू जी नाईक, कृष्ण नाईक, खुशाबा रामोशी और बाबु सोलसकर आदि क्रांतिकारियों के साथ जेजूरी के खंडोबा राव के भंडारा रजवाड़ा देकर अंग्रेज सरकार के विरुद्ध विद्रोह की घोषणा की। उमा जी नाईक अंग्रेज साहूकार और बड़े वतनदारों को लूटकर गरीब जनता की सेवा करने लगे। अंग्रेज सरकार ने 1818 में शनिवारवाड़े (पूना) पर यूनियन जैक वाला झंडा फहराया। कंपनी के अत्याचारों को देखते हुए उमा जी नाईक पुरंदर में सैनिकों को इकट्ठा करके विद्रोह की तैयारी करने लगे। अंग्रेजों को भगाने के लिए उमा जी नाईक प्रयत्न

करने लगे। अंग्रेज सरकार उमा जी से त्रस्त होने लगी। इसलिए अंग्रेज सरकार ने 1818 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। और एक साल के लिए जेल में डाल दिया गया। जेल में उन्होंने पढ़ना लिखना सीखा। वे जेल से छूटने के बाद अंग्रेजों के खिलाफ अपने क्रांतिकारियों के साथ अंग्रेजों को भगाने की योजना बनाने लगे। देश के लिए लड़ने लगे। जनता भी उनका साथ देती थी। उमा जी को गिरफ्तार करने आए हुए अंग्रेज अधिकारी मोकीन टॉस ने पुरंदर के मामलेदार को फर्मान निकालने को कहा। मामलेदार अंग्रेज सैनिकों के साथ उमा जी को गिरफ्तार करने गए। दोनों में बहुत ही जोरदार युद्ध हुआ। उमा जी ने पांच अंग्रेज सैनिकों की गर्दन काटकर मामलेदार को भेजी। अंग्रेज सरकार के मन में दहशत पैदा हुई। उमा जी के सैनिक पर्वतों में रहते थे। उनके पास पांच हजार सैनिक थे। सन 1824 को बाबूट्री का खजाना लूटके मंदिरों की देखरेख के लिए जनता को बांट दिया जाता था। 30 नंवबर 1827 को अंग्रेजों को बताया कि हजारों विद्रोह होते रहेंगे। सतपूड़ा से लेकर सम्हादि तक अंग्रेजों एक दिन भारत से आपको भागना पड़ेगा। 21 दिसम्बर 1830 को अंग्रेज अधिकारी बाइंड और उनके सैनिकों को मांडर देवी किले से बंदुक चलाकर अंग्रेज सैनिक को भागना पड़ा। 16 फरवरी 1831 को अंग्रेज सरकार के लिए उमा जी ने एक ऐलारनामा निकाला कि लोगों को अंग्रेज सरकार की नौकरियां छोड़ देनी चाहिए। देशवासियों ने एक साथ इकठ्ठा होकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करना चाहिए। अंग्रेजों का खजाना लूटना चाहिए। लगान नहीं देना चाहिए। ब्रिटिश की सत्ता नष्ट होने वाली है। उनकी मदद नहीं करनी चाहिए। उमा जी छत्रपति शिवाजी महाराज की तरह ही काम करने लगे। लोग उमा जी को राजा कहने लगे। उमा जी का डर अंग्रेज सरकार को लगने लगा। अंग्रेज सरकार उमा जी को पकड़ने के लिए साजिश रचने लगी। उमा जी नाईक का पता लगाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने उमा जी नाईक को गिरफ्तार करने के लिए 10,000 रुपए की राशि और 400 बीघा भूमि का ईनाम रखा। जमीन साहूकार, वतनदार आदि को प्रलोभन दिखाकर उमा जी के सैनिकों को गुमराह किया गया। कालोजी नाईक और नाना चव्हाण दोनों लोगों ने उमा जी नाईक की गुप्त जानकारी अंग्रेजों को दे दी। 15 दिसम्बर 1831को भोर तालुका के उतरोली गांव में उमा जी को अंग्रेज सरकार ने पकड़ा। पूना के मामलेदार कचेरी के एक खोली में रखा गया। मोकीन टॉस उमा जी नाईक की प्रति दिन जानकारी लेता था। उमा जी पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश जेम्स टेलर ने उमा जी को फांसी की सजा सुनाई। 3 फरवरी 1832 को पुणे के खटकमल आली के मामलेदार कचेरी में उमा जी को फांसी दी गई। अंग्रेजों ने उमा जी नाईक के शव को पेड़ से लटका कर रखा था जिससे कि क्रांतिकारियों के मन में दहशत पैदा हो और कंपनी व सरकार के विरुद्ध कोई भी क्रांतिकारी विद्रोह नहीं कर सके। मरावे परी किर्ति रुपे उरावे इस कथन के अनुसार अंग्रेज अधिकारी माकीन टॉस कहता है कि उमा जी का आदर्श छत्रपति शिवाजी महाराज था। उसे फांसी नहीं दी जाती तो आज दूसरा शिवाजी महाराज पैदा हो जाता। यह सत्य है कि अंग्रेजों ने साजिश करके उमा जी को गिरफ्तार नहीं किया होता तो तो भारत बहुत ही पहले आजाद हो गया होता। पर कहीं ना कहीं भारत में रह रहे गद्दारों की गलती का बहुत बड़ा खामियाजा इस देश को भुगतना पड़ा है। मुंबई हलचल परिवार ऐसे गुमनाम शुरवीर महान क्रांतिकारी को नमन करता हैं।

काबिलियत के बलबूते पर अपनी पहचान कराने का हुनर रखते हैं वरना इस बेगानी दुनियां में कौन किसी का होता हैं

(निंबाहेड़ा कोतवाली के थानाधिकारी ने जिला पुलिस अधीक्षक को लिखा सुरज वर्मा के उल्लेखनीय कार्यों को मद्देनजर रखते हुए पत्र)

कार्यालय पुलिस थाना कोतवाली निम्बाहेडा जिला चितोडगढ (राज.)

क्रमांक – 2546 दिनांक – 24.05.2025

सेवामें
श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,
जिला चित्तौडगढ (राज.)

विषय – मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक एवं मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
प्रसंग :– श्रीमान आई.जी. साहब उदयपुर कार्यालय पत्र क्रमांक 576–79 दिनांक 23.05.25 की पालना में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं प्रासंगीय पत्र की पालना मे निवेदन हैं कि थाना हाजा पर पदस्थापित श्री सूरज कुमार स.उ.नि. द्वारा 2024–25 में किये गये सराहनीय कार्य निम्नांकित हैं :–

समीक्षा अवधि के दौरान स.उ.नि. द्वारा 08 प्रकरण धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के दर्ज करवाकर मुल्जिमान के कब्जे से 10 अवैध पिस्टल व 06 जिन्दा कारतुस जब्त किये। इसके अलावा 11 ईनामी अभियुक्त गिरफ्तार किये। कस्बा निम्बाहेडा में प्रार्थी सुरेश काबरा के यहा पर 13 तौला सोना व पांच लाख रूपयें नकद की नकबजनी घटना का खुलासा कर मुल्जिमान के कब्जे से सम्पूर्ण माल बरामद किया गया। चोरी/नकबजनी की अनट्रेस कूल 09 वारदातों को ट्रेस आउट कर मशरूका माल बरामद किया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा चलाये जा रहे उदघोषित अपराधीयों की धरपकड अभियान के तहत कूल 93 वांछित एन.डी.पी.एस./चोरी/नकबजनी/लुट/हत्या के मामलों में फरार चल रहे अपराधीयों को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया। विगत दिनों में हाईवे रोड पर नाकाबन्दी के दौरान 02 पंजाब राज्य के हथियार तस्करों को गिर. कर मुल्जिमान के कब्जे से 05 अवैध पिस्टल जप्त की तथा कस्बा निम्बाहेडा के अन्दर इंजिनियर के ब्लाइण्ड मर्डर का खुलासा करने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स.उ.नि. द्वारा अब तक विभिन्न प्रकरणों मे कूल 37 अवैध पिस्टले जप्त की जा चुकी है तथा कूल 80 से अधिक चोरी/नकबजनी/लुट की वारदातों का खुलासा किया जा चुका है।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि श्री सूरज कुमार स.उ.नि. थाना कोतवाली निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ (राज.) को माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाले उत्कृष्ठ सेवा पदक/ सराहनीय सेवा पदक दिलवाने की कृपा करे।

भवदीय,

थानाधिकारी
पुलिस थाना कोतवाली निम्बाहेडा
जिला – चितौडगढ (राज.)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। कहते हैं इंसान की मेहनत और हौसला अगर मजबूत हो तो जीवन में वह उसकी सफलता का द्योतक बन जाता हैं। आज हम खाकी के एक ऐसे कर्त्तव्यनिष्ठ, हौनहार, ईमानदार व्यक्ति की पहचान करा रहे हैं जो कानून के क्षेत्र में किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं। यही नहीं उन्होंने अपने बलबूते पर कई अनसुने और पेचीदगियों से भरे मुकदमों को सुलझाया हैं। जी हां चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा कोतवाली में कार्यरत पदस्थापित एएसआई सुरज कुमार वर्मा हैं। जो कानून की काली खद्दान में से कोहिनूर की भांति निकला वो हीरा हैं जो बेदाग होते हुए कानून का असली रक्षक हैं। वैसे भी अधिकांश जनता की नजर में कानून की छवि सही नहीं बनकर रिश्वत के बोझ तले दबी हुई हैं लेकिन जनता की इसी ओछी मानसिकता पर कड़ा प्रहार करके अपने आपको सरासर बचाकर निकलने वाला सुरज कुमार ऐसे वाक्यों से काफी दूर है। उनकी यह बात भी दर्जनों बार उनकी वर्दी पर सम्मानित होकर लगे तमगे सटीकता से प्रमाणित कर देते हैं। यही कारण है कि अभी हाल ही में एएसआई सुरज कुमार वर्मा के कानून क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान व कार्यों के लिए निंबाहेड़ा कोतवाली थानाधिकारी ने जिला पुलिस अधीक्षक चितौड़गढ़ को उन्हें मुख्यमंत्री से उत्कृष्ठ सेवा पदक /सराहनीय सेवा पदक दिलाने के लिए पत्र लिखा हैं जो एएसआई सुरज कुमार वर्मा की काबिलियत में बिना कोई शक के इजाफा करने के लिए काफी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नायगांव स्टेशन बना मच्छरों का अड्डा, डेंगू-मलेरिया फैलने का खतरा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। वसई क्षेत्र के समीप स्थित नायगांव रेलवे स्टेशन इस समय मच्छरों का अड्डा बन चुका है। स्टेशन परिसर में गंदगी और पानी जमा होने की वजह से मच्छरों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। बड़े-बड़े मच्छर दिन-रात यात्रियों को परेशान कर रहे हैं – कभी नाक पर डंक, तो कभी पैरों और हाथों पर हमला कर रहे हैं। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि यहां सफाई की हालत बेहद खराब है। जगह-जगह गंदा पानी

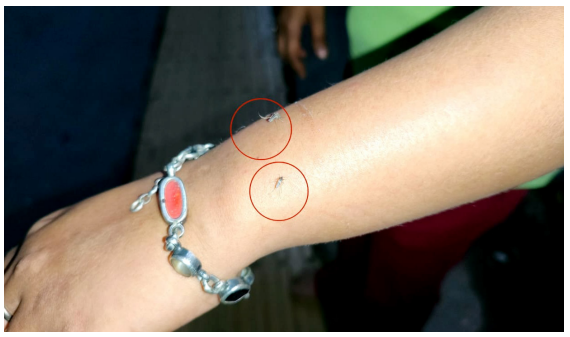

जमा है, जिससे मच्छरों के पनपने का खतरा और बढ़ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियाँ तेजी से फैल सकती हैं। नायगांव की जनता प्रशासन से सवाल पूछ रही है कि आखिर कब यहां सफाई पर ध्यान दिया जाएगा और कब उन्हें इस मच्छर आतंक से राहत मिलेगी? यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। प्रशासन और रेलवे विभाग को चाहिए कि तत्काल सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करें और मच्छरनाशक छिड़काव कराएँ, ताकि जनता को राहत मिल सके।

बैगजोन लाइफस्टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड ने लॉन्च किया 'अकीकी लंदन'

मुंबई। बैग और एक्सेसरीज की दुनिया में तीन दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ, बैगजोन लाइफस्टाइल्स प्रा. लि. ने अपना नया ब्रांड अकीकी लंदन लॉन्च किया है। यह ब्रांड आज की जागरूक और स्टाइलिश महिलाओं के लिए खास तौर पर बनाया गया है। इसके पहले कलेक्शन में ऐसे हैंडबैग्स शामिल हैं, जो आधुनिक डिजाइन और पारंपरिक कारीगरी का बेहतरीन मेल हैं, जहां हर बैग एक सोच और खास पहचान को दर्शाता है। अकीकी नाम की प्रेरणा 'एगेट' नामक रत्न से ली गई है, जो अपनी परतदार सुंदरता और मजबूती के लिए जाना जाता है। यह ब्रांड भी वैसा ही है, खूबसूरत भी और गहरा मायने रखने वाला भी। अकीकी सिर्फ एक बैग नहीं, बल्कि एक ऐसा पीस है जो, इसे उपयोग करने वाली महिला की सोच और उसके स्टाइल के अनोखे अंदाज को दिखाता है, वह महिला जो ट्रेंड्स से नहीं, बल्कि उसकी खुद की पसंद से पहचानी जाती है।

लंदन की कला और संस्कृति से प्रेरित, अकीकी हैंडबैग्स को केवल एक एक्सेसरी ही नहीं, बल्कि खुद को व्यक्त करने का तरीका भी मानता है, इसका मानना है कि हर बैग एक कहानी कहता है। इसका हर डिजाइन क्लासिक होते हुए भी आधुनिक है। बिलकुल लंदन जैसा सिंपल भी और बोल्ड भी। अपने इनोवेटिव

डिजाइन्स में बेहतरीन गुणवत्ता और बारीकी से की गई कारीगरी के लिए, अकीकी यूरोप और एशिया के मशहूर डिजाइन पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करता है। इससे ब्रांड बेहद कम कीमतों में ऐसे प्रोडक्ट्स पेश कर पाता है जो अंतर्राष्ट्रीय लग्जरी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं। ब्रांड को और क्रिएटिव और दिलचस्प बनाने के लिए, अकीकी ने अपना मैस्कट और ब्रांड म्यूज 'किकी' पेश किया है। किकी एक ब्रिटिश बुलडॉग है, जो ब्रांड की मजेदार, बेझिझक और बोल्ड सोच का प्रतीक है। किकी को हर कैंपेन और कलेक्शन में एक खास विजुअल आइकन के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। स्टोर्स में इसके लिए एक खास डिस्प्ले भी होगा, जो ग्राहकों को भावनात्मक रूप से जोड़ेगा साथ ही उन्हें एक यादगार अनुभव भी देगा।

बैगजोन लाइफस्टाइल्स प्रा. लि. के डिजिटल और कम्युनिकेशन हेड, निशांत बकलीवाल ने कहा, 'अकीकी के साथ हम एक ऐसे सेगमेंट में कदम रख रहे हैं, जो अब तक काफी हद तक अनछुआ रहा है, जबकि मार्केट लगातार बदल रहा है। ज्यादातर हैंडबैग्स जहां सिर्फ वर्कवियर या उपयोग पर ध्यान देते हैं, वहीं अकीकी के स्टेटमेंट पीसेज खास मौकों और अपनी अलग पहचान दर्शाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह आज की आधुनिक महिला को एक ऐसा लग्जरी अनुभव देता है, जिसे बेहद सोच-समझकर बनाया गया है, जो शानदार है, और लंबे समय तक याद रहता है। यह लॉन्च हमारे लिए एक नया और रोमांचक अध्याय है, जहां हम गर्व से एक ऐसा ब्रांड पेश कर रहे हैं, जो परंपरा और इनोवेशन को साथ लाता है और महिलाओं को अपनी असली पहचान व्यक्त करने का हौसला देता है।'

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सीबीआई का पासपोर्ट ऑफिस पर तड़के छापा

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत लोअर परेल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र (पासपोर्ट कार्यालय) के एक कार्यालय सहायक और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। इन पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप है। आरोपियों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई पासपोर्ट बनाने का आरोप है। साथ ही सीबीआई को 7 फर्जी पासपोर्ट आवेदन भी मिले हैं। फिलहाल इनका सत्यापन चल रहा है। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम जूनियर पासपोर्ट सहायक अक्षय कुमार मीना और दलाल भावेश शांतिलाल शाह हैं।मीना जूनियर पासपोर्ट असिस्टेंट है और लोअर परेल स्थित पासपोर्ट असिस्टेंट सेंटर में वेरिफिकेशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। सीबीआई ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत के अनुसार, 2023-24 के दौरान मीना और शाह ने एक निजी पार्टी हासिल करने की साजिश रची। दोनों पर पासपोर्ट बनवाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई ने मामले की आगे जांच की। उस समय उन्हें अहम जानकारियां मिलीं। आरोपियों को मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया है और उन्हें 5 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अब अदालत के आदेश के अनुसार दोनों 2 जून 2025 तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। सीबीआई मामले की आगे जांच कर रही है।

भू-माफियाओं को सबक सिखाने की तैयारी

विशेष जांच दल को जांच में पता चला है कि वर्ष 2020 में मुंबई में कुल 884 नक्शों में से 102 नक्शों में तथा गोरेगांव स्थित नगर भूमापन कार्यालय में 8 आलेखों में छेड़छाड़ की गई थी। इस मामले में भूमि अभिलेख विभाग के 2 अधिकारियों और 19 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। इसके अलावा दो तत्कालीन सेवानिवृत्त सैनिकों, एक सेवानिवृत्त क्लर्क, तीन अधिकारियों/कर्मचारियों और सात निजी व्यक्तियों सहित कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही भूमि अभिलेख विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम फडणवीस ने शिंदे-अजित से मांगी माफी

देवेंद्र फडणवीस ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच सुसंवाद नहीं है, जिससे एक बार फिर सत्तारूढ़ गठबंधन में आंतरिक घटनाक्रम पर चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक कार्यक्रम में कहा है कि शरद पवार के बारे में मुझे कई बातें पसंद हैं। लेकिन कुछ ऐसी बातें भी हैं जो मुझे स्वीकार नहीं हैं। लेकिन मैं उनकी निरंतरता की सराहना करता हूं। इस उम्र में भी वह काम करना जारी रखते हैं, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, चाहे वह जीतें, हारें या कुछ भी हो।तो फिर अजित पवार और एकनाथ शिंदे में से कौन बेहतर संवादकर्ता है? इस बारे में पूछे जाने पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने दोनों उपमुख्यमंत्रियों की कमियां गिनाई हैं और कहा कि दोनों उपमुख्यमंत्री अजित और शिंदे संवाद में अच्छे नहीं हैं। निश्चित रूप से ये दोनों उन्हें इस राय के लिए माफ कर देंगे। अब देवेंद्र फडणवीस के इस बयान की राजनीतिक गलियारों में जोरदार चर्चा हो रही है।

प्री-मानसून से राज्य में 37,000 हेक्टेयर फसलें बर्बाद

इसके बाद बुलढाणा जिले में 5,737 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचने की खबर है। कृषि विभाग का कहना है कि जलगांव जिले में 4,538 हेक्टेयर से अधिक फसलें बर्बाद हो गई हैं। इस बीच, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य के सभी प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल पंचनामा सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया है। ये पंचनामा तलाठी और कृषि सहायकों द्वारा किया जाता है। हालांकि, विभिन्न मांगों को लेकर कृषि सहायकों की चल रही हड़ताल के कारण इसमें बाधा उत्पन्न हुई। इस बीच, कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कृषि सहायकों की मांगों को स्वीकार कर लिया गया है, जिससे बुधवार से प्रभावित क्षेत्रों का पंचनामा करने का रास्ता साफ हो गया है।

कानपुर आज जाएंगे मोदी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, यातायात परिवर्तन

कानपुर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने देशव्यापी दौरे में आज शुक्रवार को कानपुर पहुंचेंगे। इसके लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही यातायात भी बड़े पैमाने पर परिवर्तित किया गया है। पीएम मोदी के शहर आगमन पर आज 30 मई को तड़के 4 से रात 8 बजे तक विभिन्न स्थानों पर रूट डायवर्जन रहेगा। इस दौरान पूर्व में जारी किए गए सभी वाहन पास निरस्त रहेंगे। यातायात विभाग ने अपील की है कि कार्यक्रम के दिन शहर में वीआईपी रोड और जीटी रोड से गुजरने के बजाए वैकल्पिक मार्गों से गुजरें। आज कानपुर आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब 21 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। वह मोदी इस दौरे के दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से भी मुलाकात कर सकते हैं। अपने इस एक दिवसीय दौरे में वह यहां कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। वह 2,120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन तक के खंड का उद्घाटन करेंगे। इसके अतिरिक्त, मोदी जीटी रोड के सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए गौतम बुद्ध नगर के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) के सेक्टर 28 में 220 केवी उपकेंद्र की (डिजिटल माध्यम से) आधारशिला रखेंगे। वह ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-8 और इकोटेक-10 में 320 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 132 केवी सबस्टेशन का उद्घाटन भी (डिजिटल माध्यम से) करेंगे। प्रधानमंत्री कानपुर में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 660 मेगावाट की पनकी थर्मल पावर एक्सटेंशन परियोजना का उद्घाटन करेंगे जिससे उत्तर प्रदेश की ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी। वह घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना की 9,330 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन 660 मेगावाट की इकाइयों का भी उद्घाटन करेंगे। पीएम की सभा में सा में लोगों को लाने की लगभग 800 से बसों का भी इंतजाम किया गया है।

यूपीए सरकार के सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी नहीं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि उन्हें मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान की गई किसी भी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी नहीं है और इस बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश को आतंकवादियों का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत को वापस सौंप देना चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा बनने से पहले अठावले की रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) का घटक दल थी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए अठावले ने कहा, 'इससे पहले नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान ही एक और सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी।

अमेरिकी कोर्ट ने लगाई 'लिबरेशन डे' टैरिफ पर रोक

ट्रंप अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़ रहे, इकोनॉमी का हवाला देकर कुछ भी करना गलत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, कहा- टैरिफ संविधान के खिलाफ

डोनाल्ड ने किया अपने अधिकारों का दुरुपयोग

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन को एक बार फिर कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कारण, अमेरिका की एक कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 'लिबरेशन डे' टैरिफ पर रोक लगा दी है। मैनहैटन स्थित एक संघीय अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया और ऐसा कदम उठाया जो अमेरिकी संविधान के खिलाफ है। दरअसल, ट्रंप ने उन देशों से आने वाले सामान पर समान रूप से टैक्स लगाने का आदेश दिया था, जो अमेरिका से कम सामान खरीदते हैं और उसे ज्यादा सामान बेचते हैं। इस कदम को 'लिबरेशन डे' टैरिफ कहा गया था। ट्रंप प्रशासन ने अप्रैल में ही तमाम देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन इस फैसले को अमेरिका के व्यापारियों ने कोर्ट में चुनौती दी थी।

अदालत ने क्या कहा?

याचिका पर सुनवाई करते हुए 'कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड' की तीन जजों की बेंच ने कहा कि अमेरिकी संविधान के अनुसार विदेशी देशों के साथ व्यापार को नियंत्रित करने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। अदालत ने यह भी साफ किया कि यह मामला राष्ट्रपति के आपातकालीन शक्तियों के अंतर्गत नहीं आता। अदालत ने कहा कि ट्रंप ने जो इंटरनेशनल इमरजेंसी इकॉनॉमिक पावर एक्ट (आईईईपीए) के तहत यह टैरिफ लगाए थे, वह कानून उन्हें ऐसा असीमित अधिकार नहीं देता। जजों ने अपने आदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति द्वारा टैरिफ लगाने का यह दावा, जिसकी कोई समय या दायरे की सीमा नहीं है, कानून के तहत दिए गए अधिकार से कहीं आगे बढ़ता है।

ट्रंप प्रशासन का तर्क खारिज : ट्रंप प्रशासन ने दलील दी थी कि 1971 में तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भी आपातकाल के तहत टैरिफ लगाए थे और तब कोर्ट ने उसे मंजूरी दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति की आपात स्थिति घोषित करने की वैधता तय करना अदालत का नहीं, बल्कि कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन अदालत ने इस तर्क को खारिज कर दिया.यह फैसला दो मामलों पर दिया गया।

अब आगे क्या?

ट्रंप प्रशासन इस फैसले को यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फेडरल सर्किट में चुनौती दे सकता है और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी संघीय अदालत ने ट्रंप के टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। इससे यह तय होता है कि राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की मंजूरी के अनियंत्रित टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है, चाहे वह किसी भी पार्टी से क्यों न हो।

इधर, मस्क ने भी छोड़ा ट्रम्प का साथ, कहा- मेरा टाइम पूरा हुआ

इधर, अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने भी ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। मस्क ने गुरुवार सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एम्प्लॉई के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था। मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्रम्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमरनाथ यात्रा के रूट पर जबरदस्त किलेबंदी

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में मोदी सरकार का पहला टेस्ट

पैरामिलिट्री फोर्स की 581 कंपनियां रहेंगी तैनात

3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी इस साल तीर्थयात्रा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार कोई भी कोताही बरतने के मूड में नहीं है। गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर सरकार के मुख्य सचिव और डीजीपी को यात्रा की पूरी सिक्योरिटी के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 581 कंपनियां तैनात करने का निर्देश दिया है। यह यात्रा पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कुछ वक्त बाद हो रही है। जम्मू और कश्मीर में अमरनाथ मंदिर हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र मंदिरों में से एक है। 9 अगस्त तक चलने वाली यात्रा को शांतिपूर्ण और बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न कराना सरकार और केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा बलों की पहली प्राथमिकता बनी हुई है। पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा के लिए राजभवन में एक अहम मीटिंग की थी।

गृह मंत्रालय ने जारी किया था पत्र

गृह मंत्रालय ने 23 मई को एक पत्र जारी किया था। इसमें जम्मू-कश्मीर सरकार के मुख्य सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव और डीजीपी को बताया कि उन्हें सीएपीएफ की 156 कंपनियों का इस्तेमाल करने की इजाजत है। इतना ही नहीं सीआरपीएफ की 91 कंपनियां, एसएसबी की 30 कंपनियां, सीआईएसएफ की 15 कंपनियां, बीएसएफ की 13 कंपनियां और आईटीबीपी की सात कंपनियां भी तैनात रहेंगी।'

एक सीएपीएफ कंपनी में तैनात होते हैं लगभग 70-80 कर्मी

गृह मंत्रालय ने अपने एक मैसेज में कहा, 'अमरनाथ यात्रा-2025 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए वे पहले से ही जम्मू-कश्मीर में शॉर्ट टर्म सेवा में मौजूद हैं।' एक सीएपीएफ कंपनी में लगभग 75-80 कर्मी शामिल होते हैं। गृह मंत्रालय ने आगे बताया कि 425 सीएपीएफ कंपनियां सिक्योरिटी के लिए 10 जून तक जम्मू-कश्मीर सरकार को उपलब्ध हो जाएंगी। गृह मंत्रालय ने कहा, 'सीएपीएफ की सभी 581 कंपनियां अमरनाथ यात्रा-2025 के पूरा होने तक तैनात रहेंगी और यात्रा पूरी होने के बाद सीएपीएफ की इन 581 कंपनियों को तुरंत हटा दिया जाएगा।' जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वे इन कंपनियों का इस्तेमाल अमरनाथ यात्रा से जुड़ी गुफा मंदिर, रास्तों, एरिया डोमिनेशन और अन्य सिक्योरिटी में किया जाएगा। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अनुसार, इस साल तीर्थयात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी और श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया को बताई पाकिस्तान की करतूत

इंडोनेशिया ने भारत को दिलाया भरोसा कहा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देंगे पूरा साथ

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने बातचीत में कहा कि हमने आसियान के महासचिव से मुलाकात की। हम यहां के उप विदेश मंत्री और स्थानीय थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से भी मिले। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इंडोनेशिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, लेकिन भारत के रुख को लेकर यहां बहुत सम्मान है। हाल में भारत पर हुए हमले की यहां के राष्ट्रपति ने निंदा की थी। हमने इस घटना और 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में यहां अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। भाजपा सांसद बृजलाल ने बातचीत में कहा, इंडोनेशिया में बहुत अच्छी बातचीत हुई है।

हमने यहां नेताओं से बात की, फिर कल शाम हमने आसियान राजदूतों से बातचीत की और गुरुवार को हमने थिंक टैंक से मुलाकात की। हमने उनके साथ भारत की स्थिति साझा की। हमने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है। हम अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखते हैं। हालांकि, हमारे पड़ोसी की मानसिकता सही नहीं है।

जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) नेता संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया दौरे पर है। संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को इंडोनेशिया के विचारकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

इंडोनेशिया ने कहा पूरी दुनिया से आतंक खत्म होना जरूरी

इंडोनेशिया ने भारत को दिया समर्थन

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बताया, मुझे खुशी इस बात से है कि इंडोनेशिया की समझ और सोच बहुत ही सकारात्मक है। इंडोनेशिया का अनुभव और यहां की जनसंख्या की स्थिति भारत से काफी मिलती-जुलती है। हमें यहां आकर काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इंडोनेशिया भी आतंकवाद को लेकर चिंतित है और वह भी इसका सामना कर चुके हैं, इसलिए हमारी चिंताएं और परेशानियां उन्हें अच्छी तरह समझ आती हैं।

आतंकवाद पर पाकिस्तान का विरोध

भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि इंडोनेशिया में बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने यहां के राजनेताओं से मुलाकात की और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि सभी लोग आतंकवाद के खिलाफ हैं। सभी ने आतंकवाद के उन्मूलन की इच्छा जाहिर की।

पाक ने आतंकियों के खिलाफ कुछ नहीं किया

जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में कहा, 'पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था में संकट का सामना कर रहा है, जबकि भारत तेजी से विकास कर रहा है। हम चाहते हैं कि आप सही के लिए खड़े हों और इस मुद्दे को महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंचों पर उठाएं। हमने पाकिस्तान सरकार द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ किसी कार्रवाई का 2 हफ्ते इंतजार किया लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। जिसके बाद भारत ने एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया जिसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

'टैरिफ चर्चा का हिस्सा ही नहीं था' ट्रंप का दावा विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

भारत-पाक सीजफायर मामला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार को कहा कि इस महीने पाकिस्तान के साथ हुए युद्धविराम के लिए अमेरिका से हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा चर्चा का हिस्सा नहीं था। विदेश मंत्रालय की तरफ से यह टिप्पणी ऐसे वक्त में सामने आई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका की एक संघीय अदालत को बताया कि टैरिफ की धमकी ने अमेरिका को भारत और पाकिस्तान के बीच तीन दिनों की लड़ाई के बाद संघर्षविराम कराने में मदद की। ट्रंप प्रशासन के इस दावे को खारिज करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'इस विशेष मुद्दे पर भारत का विरोध साफ है। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को समाप्त होने तक भारत और अमेरिका के बीच बातचीत होती रही। चर्चा के दौरान टैरिफ का मुद्दा कभी नहीं उठा।'

आतंकी सौंपे और पीओके खाली करे पाकिस्तान

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। जायसवाल ने कहा, 'जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। सिर्फ दो पक्षों के ही बीच बातचीत होगी। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। 'जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा।

कश्मीर के शोपियां में सेना को बड़ी कामयाबी

लश्करे तैयबा के 2 हाइब्रिड आतंकियों ने किया सरेंडर

श्रीनगर। भारतीय सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर 44), जम्मू -कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने एक जवाइंट ऑपरेशन में शोपियां के बसकुचन इमामसाहिब क्षेत्र से दो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन के दौरान आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर शोपियां के विशेष ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), 44आरआर और 178 बटालियन सीआरपीएफ ने बसकुचन में एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और पास के एक बाग में आतंकियों की मौजूदगी देखी गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई की तो दो हाइब्रिड आतंकी इरफान बशीर और उजैर सलाम ने सरेंडर कर दिया।

खबर संक्षेप

एक्ट्रेस बोली- कराची एयरपोर्ट पर पानी खत्म

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट पर पानी खत्म हो गया है।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हिना ख्वाजा ने वीडियो बनाकर बताया कि एयरपोर्ट के वॉशरूम में पानी नहीं है। हिना ने सवाल उठाते हुए कहा कि,आज के दिन जब हमें पाकिस्तान की उपलब्धियों को लेकर जश्न मनाना चाहिए, वहां किसी वॉशरूम में पानी नहीं आ रहा है। लोग वुजू करना चाह रहे हैं, बच्चों को लेकर वॉशरूम जाना चाह रहे हैं और पानी नहीं है। हमारे एयरपोर्ट्स का, हमारे इंस्टीट्यूशन्स का, हमारे सिस्टम्स का यह हाल क्यों हो गया है।

ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा पहुंचे 3 पंजाबी सिंगर

अमृतसर। जिने मेरा दिल लुटेया, 'नाग' और 'जवानी' जैसे गाने वाले पंजाबी सिंगर जैजी बी एक बार फिर विवाद में घिर गए है। इस बार मामला ब्रिटिश कोलंबिया की राजधानी विक्टोरिया में प्रांतीय विधान सभा का है, जिसका जैजी बी ने दो अन्य पंजाबी सिंगरों चन्नी नट्टन और इंद्रपाल मोगा के साथ दौरान किया। संसदीय डाइनिंग रूम में लंच किया, विधायकों के साथ फोटो सेशन कराया। इनके फोटो सोशल मीडिया पर आते ही विवाद भी शुरू हो गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

निमाड़ी संस्कृति के प्रहरी जगदीश जोशीला गोगावा को पद्मश्री सम्मान, निमाड़ में खुशी की लहर

मुंबई हलचल/संवाददाता

खरगोन। निमाड़ी भाषा और लोकसंस्कृति को जीवित रखने और उसके प्रचार-प्रसार में अभूतपूर्व योगदान देने वाले अखिल निमाड़ लोक परिषद के प्रमुख जगदीश जोशीला गोगावा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्मश्री से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक सम्मान पर मध्यप्रदेश विशेषकर निमाड़ क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह पूरे निमाड़ के लिए गर्व का विषय है कि उनकी मातृभाषा और लोक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जगदीश जोशीला गोगावा ने निमाड़ी भाषा की कई पुस्तकों की रचना की है

और निरंतर प्रयासों से इस क्षेत्रीय बोली को आगे बढ़ाया है। उनकी यह मेहनत अब राष्ट्रीय स्तर पर सराही गई है। इस उपलब्धि पर साहित्यकार व लेखक श्री विनोद कुमार सकुंडे, युवा उद्योगपति विक्रांत सकुंडे (खरगोन) की विशेष उपस्थिति में, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय महासचिव सैयद रिजवान अली, कोमी एकता कमेटी, परख साहित्य मंच, अखिल निमाड़ लोक परिषद बाकानेर और प्रेस क्लब बाकानेर की ओर से जगदीश जोशीला जी को शाल, श्रीफल और गुलदस्ते के साथ भव्य रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में गोगावा जी को बधाइयों का तांता लग गया और सभी वक्ताओं ने उन्हें निमाड़ी भाषा का सच्चा सिपाही बताया।

पानी संघर्ष समिति का कडेगांव पुलिस स्टेशन पर पार्टी मुक्त जन मोर्चा

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। तहसील कड़ेगाव के कड़ेगाव के किसानों और नागरिकों के लिए पिछले 8 वर्षों से कडेगांव शहर भाग सहित नेर्ली, अपशिंगे, कोतावडे, बोंबाळेवाडी, शालगांव और कडेगांव तहसील के गांवों को विभिन्न आंदोलनों के बावजूद हर साल मार्च, अप्रैल, मई में टेंभू योजना से पर्याप्त पानी नहीं मिलता है।

टेंभू के अधिकारियों ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे सही समय पर कडेगांव झील, सुरली और कामती परिसंचरण में बंद पाइप लाइन शुरू करेंगे और इन कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक हॉर्सपावर पंप का उपयोग करेंगे। दिए गए तारीखें बीत जाने के बावजूद भी काम शुरू नहीं हुआ है। किसानों की समस्याओं को धोखा देकर वैसा ही रखा गया है। यह कडेगांव शहर और तहसील का दुर्भाग्य है कि उन्हें पानी के लिए भटकना पड़ता है और भीख मांगनी पड़ती है। साथ ही पानी है तो बिजली नहीं है और बिजली है तो पानी नहीं है, इसलिए इसके खिलाफ हम शुक्रवार 30/5/2025 को सुबह 10 बजे पुराने एसटी बस स्टैंड पर इकट्ठा होना होगा और सुबह 10:30 बजे कडेगांव पुलिस स्टेशन तक मोर्चा निकालने का फैसला किया है। संबंधित प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग को लेकर मोर्चा निकाला जा रहा है। किसान और नागरिक इस मार्च में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल हों अपने अधिकार के लिए आवाज उठानी होगी कहा।

आरबीआई ने जारी की वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक रिपोर्ट

रिजर्व बैंक के बही-खाते का आकार 33 फीसदी बढ़कर हुआ 76.25 लाख करोड़ रुपये

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को जारी अपनी 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि देश वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसमें कहा गया कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी आंकड़ों और सक्रिय नीतिगत उपायों के समर्थन से 2024-25 में अर्थव्यवस्था ने जुझारू क्षमता दिखाई।

विदेशी मुद्रा लेनदेन में करीब 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बही-खाते का आकार बढ़कर 76.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके दम पर ही केंद्रीय बैंक ने सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपये का बड़ा लाभांश दिया है।

- विदेशी मुद्रा लेनदेन में करीब 33 फीसदी की वृद्धि
- केंद्रीय बैंक ने सरकार को दिया 2 .7 लाख करोड़ रुपए का लाभांश
- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था

मुद्रास्फीति चार फीसदी पर रहने का भरोसा

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अब 12 महीने की अवधि में कुल मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने को लेकर " अधिक भरोसा " है। इसमें सुझाव दिया गया कि ब्याज दर जोखिम की गतिशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए बैंकों को व्यापार और बैंकिंग दोनों प्रकार के बही जोखिमों से निपटने की आवश्यकता है, खासकर शुद्ध ब्याज 'मार्जिन' में कमी के मद्देनजर।

2000 के 98 फीसदी से अधिक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस

कम मूल्यवर्ग के बैंक नोट (10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये) की चलन वाले कुल बैंक नोट में हिस्सेदारी 31.7 प्रतिशत रही। मई, 2023 में 2000 रुपये के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की शुरुआत की गई थी, जो गत वित्त वर्ष में भी जारी रही। घोषणा के समय चलन में रहे 3.56 लाख करोड़ रुपये में से 98.2 प्रतिशत 31 मार्च, 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए।

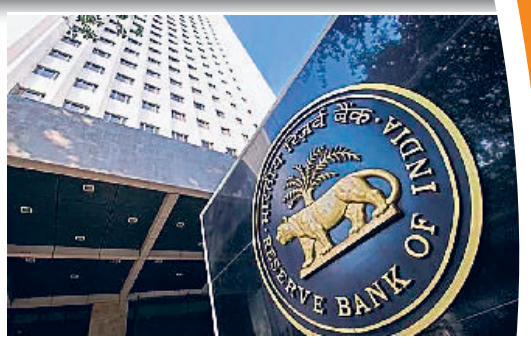

500 रुपए के नोट की हिस्सेदारी 86 फीसदी

रिपोर्ट के मुताबिक, " 2024-25 के दौरान 500 रुपये के बैंक नोट की हिस्सेदारी 86 प्रतिशत रही, जो मूल्य के हिसाब से मामूली रूप से घटी है। इसमें कहा गया है कि मात्रा की दृष्टि से प्रचलन में मौजूद कुल बैंक नोट में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.9 प्रतिशत रही। इसके बाद 10 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी 16.4 प्रतिशत रही।

ई-रूपी का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ा

वित्त वर्ष 2024-25 में चलन में मौजूद ई-रुपी का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ा। चलन में मौजूद मुद्रा में बैंक नोट, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और सिक्के शामिल हैं। वर्तमान में दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये, 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोट चलन में हैं।

छह मूल्य वर्ग के सिक्के चलन में

सिक्कों की बात करें तो 50 पैसे और एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के सिक्के चलन में मौजूद हैं। जाली नोटों के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में जब्त किए गए कुल जाली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) में से 4.7 प्रतिशत रिजर्व बैंक में पकड़े गए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MUMBAI'S BIGGEST HIGHER EDUCATION FAIR 2025

aiff | Parwazz GLOBAL EDU FAIR

Meet 50+ World's Top Univ from 10+ Countries

Scan to Register

Saturday, 31 May
10 am to 5 pm

UMass Boston | istitutomarangoni the school of fashion, art & design | The University of Law | University of South Wales Prifysgol De Cymru | University of Huddersfield | Webster University | HTMi Hotel and Tourism Management Institute Switzerland | ASU Arizona State University | PennState Dickinson Law | GLION Institute of Higher Education | UCW University Canada West | Middlesex University Dubai | Leeds Trinity University | Manipal University College Malaysia | Victoria University of Wellington Te Herenga Waka | UCAM Universidad Católica de Murcia | BTS Barcelona Technology School | Manipal University Dubai Campus | eu Business School | Griffith College | Prifysgol Cymru Y Drindod Dewi Sant University of Wales Trinity Saint David | EAIM East Asia Institute of Management | American University of Barbados School of Medicine | BSBI Berlin School of Business & Innovation | Hult International Business School | Foothill + De Anza

GINGER AIRPORT HOTEL
Near Domestic Airport, Western Express Highway,
Vile Parle (E), Mumbai.

FREE ENTRY

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अल्लू अर्जुन को मिला बेस्ट एक्टर का खिताब

तेलंगाना सरकार ने 29 मई को मोस्ट अवेटेड गदर तेलंगाना फिल्म अवाड्र्स 2024 की घोषणा कर दी, जिसमें तेलुगू सिनेमा को सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड का उद्देश्य तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाना है। इस अवसर पर अल्लू अर्जुन को उनकी आगामी फिल्म पुष्पा 2 में दमदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का खिताब दिया गया। यह पुरस्कार अभिनेता को उस विवाद के महीनों बाद मिला है, जिसमें एक स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई थी और उस मामले में गिरफ्तारी भी हुई थी। बावजूद इसके, उनके अभिनय की सराहना कम नहीं हुई और उन्हें यह सम्मान मिला। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हैदराबाद के मसाब टैंक स्थित समाचार भवन में किया गया, जहां तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष दिल राजू और जूरी प्रमुख जयसुधा ने पुरस्कारों की घोषणा की। इस बार की 15 सदस्यीय जूरी समिति ने कुल 11 कैटेगरीज में विजेताओं का चयन किया। इस पुरस्कार समारोह के लिए 1,248 नामांकनों की समीक्षा की गई थी। बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार कल्कि 2898 एडी को दिया गया, जबकि दूसरी बेस्ट फिल्म के तौर पर पोटेल और तीसरी बेस्ट फिल्म के रूप में लकी भास्कर को चुना गया।

अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने पर ट्रोल हुई उर्वशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हमेशा अपने बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी रहती हैं। अब उन्होंने एक नया दावा किया है हाल ही में वह कान्स फिल्म फेस्टिवल पहुंची थी, जहां से उन्होंने कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की, लेकिन उनकी सबसे ताजा तस्वीर में वह हॉलीवुड एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ नजर आ रही हैं। उर्वशी रौतेला ने दावा किया है कि टाइटैनिक एक्टर कान्स में उनकी तारीफ कर रहे थे। अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने के बाद उर्वशी रौतेला अब ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, इस तस्वीर में वह हॉलीवुड एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ नजर आ रही है। कैप्शन में उन्होंने लिखा है जब लियोनार्डो डिकैप्रियो आपको क्वीन ऑफ कान्स बुलाएं, ये है टाइटेनिक कंप्लीमेंट। सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला की यह पोस्ट वायरल हो गई है। यूजर्स इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि क्या आपने लियो को अपने नाम के मंदिर के बारे में बताया। तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि उन्होंने आपका स्केच नहीं बनाया। एक अन्य यूजर ने लिखा है पहली भारतीय महिला लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ फोटो के लिए भीख मांगती हुई। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि उर्वशी रौतेला हमेशा अपने बयानों को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती हैं।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)